

SALTOC Project

Title: Ālocanā (Delhi, India)

Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa Iṭ

OCLC: 4094931

No. 05 (Apr-Jun 2001)

TOC Provided by Center for Research Libraries

आलोचना
त्रैमासिक

2001

सहस्राब्दी अंक पाँच
अप्रैल-जून

प्रधान सम्पादक
नामवर सिंह

सम्पादक
परमानन्द श्रीवास्तव

कला सम्पादक
हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक
अशोक महेश्वरी

अनुक्रम

यह विशेषांक : 5

एक

- रामविलास शर्मा का आलोचना-विवेक और सौन्दर्य-दृष्टि : राजेन्द्र कुमार 7
रामविलास शर्मा का काव्य-विचार : वागीश शुक्ल 16
निराला की कविता और रामविलास शर्मा : कसौटी पर : नन्दकिशोर नवल 23
काव्याभिरुचि का संकट और काव्यबोध की सीमाएँ : परमानन्द श्रीवास्तव 35
कथा-आलोचना और रामविलास शर्मा : वीरेन्द्र यादव 40

दो

- हिन्दी नवजागरण की अवधारणा : सन्देह के बावजूद : शम्भुनाथ 51
प्रश्नों और आपत्तियों के बीच : रामचन्द्र तिवारी 64
रामविलास शर्मा और हिन्दी जाति : पी.एन. सिंह 74
मार्क्सवादी आलोचना और रामविलास शर्मा के
मूल्यांकन की समस्याएँ : प्रदीप सक्सेना 90
भारतेन्दु और रामविलास शर्मा के भारतेन्दु : पुरुषोत्तम अग्रवाल 101
हिन्दू जागरण का साहित्यिक एजेंडा : अजय तिवारी 109
हिन्दी जाति और उर्दू : शम्सुर्रहमान फ़ारूक़ी 119

तीन

- गाँधी की विरासत : रामविलास शर्मा की दृष्टि में : पूरनचन्द्र जोशी 123
रामविलास शर्मा की बृहत्त्रयी का 'लोहिया कांड' : गिरीश मिश्र 135
रामविलास शर्मा का प्रच्छन्न हिन्दुत्व : तुलसी राम 146

चार

- समर्पण, सदिच्छा और सरोकार पर्याप्त नहीं : लालबहादुर वर्मा 170
रामविलास शर्मा का 'व्यापारिक पूँजीवाद' : वीरभारत तलवार 177
आर्य भारत के मूल निवासी नहीं हैं : रामशरण शर्मा से मदन कश्यप की बातचीत 191
रामविलास शर्मा का मार्क्सवाद : एक आलोचना : कात्यायनी 196
प्रगतिशील आन्दोलन और रामविलास शर्मा : खगेन्द्र ठाकुर 210

पाँच

- रामविलास शर्मा और ऐतिहासिक भाषाविज्ञान : भगवान सिंह 226

और अन्त में...

- इतिहास की 'शव-साधना' : नामवर सिंह 241